

जनजाती क्षेत्र उपयोगना/जनजाती क्षेत्राबाहेरील उपयोगना
२००८-२००९ चे जिल्हानिहाय व योजनानिहाय
अर्थसंकल्पीय तरतुदीचे वाटप "पीक संवर्धन"

महाराष्ट्र शासन
आदिवासी विकास विभाग
शासन निर्णय क्र.बीयुडी-२००८/प्र.क्र.११/का.७
मंत्रालय विस्तार, मुंबई-४०० ०३२.
दिनांक :- २३ एप्रिल, २००८

वाचा : शासन परिपत्रक, वित्त विभाग, क्र.अंदाज-१०.०८/प्र.क्र.१०२/२००८/अर्थसंकल्प-३,
दि. ३१ मार्च, २००८.

शासन निर्णय :- जनजाती क्षेत्र उपयोगनांतर्गत व जनजाती क्षेत्राबाहेरील उपयोगनांतर्गत "पीक संवर्धन" या क्षेत्राखाली २००८-२००९ च्या अर्थसंकल्पीय अंदाजात समाविष्ट करण्यात आलेल्या तरतुदीचे योजनानिहाय वाटप आणि प्रत्येक योजनांचे अंमलबजावणी/नियंत्रण अधिकारी सोबत जोडलेल्या विवरणपत्रातील स्तंभ क्र.३ मध्ये दर्शविलेले आहेत.

२. महाराष्ट्र विनियोजन (लेखानुदान) अध्यादेश २००८ (अधिनियम क्र.७) १/६ तरतुदीच्या वितरणासाठी पारित झाला असल्यामुळे शासन आता आदिवासी क्षेत्र उपयोजनेखाली "पीक संवर्धन" हया उपशिर्षाखालील योजनांच्या सोबतच्या विवरणपत्रातील स्तंभ क्र.२ मध्ये दर्शविलेल्या अर्थसंकल्पीय तरतुदीच्या १/६ तरतुद वितरणास मंजूरी देत आहे. तसेच ही तरतुद स्तंभ क्र.३ मध्ये दर्शविलेल्या अंमलबजावणी/नियंत्रक अधिका-यांच्या अधिनस्त ठेवण्यास मंजूरी देत आहे.

३. अंमलबजावणी अधिकारी आणि विभागप्रमुख यांनी ही तरतुद शासन निर्णय, आदिवासी विकास विभाग क्र.टिएसपी-१०८६/८७१०/प्र.क्र.३१/का.५ दिनांक ९.३.१९९० अन्वये निश्चित केलेल्या आदिवासी उपयोजना क्षेत्रातील व क्षेत्राबाहेरील मान्य कार्यक्रमांवर/योजनांवर खर्च होतील याची दक्षता घ्यावी. तसेच या तरतुदी खर्च करतांना शासन निर्णय, आदिवासी विकास विभाग, क्र.टिएसपी-२००३/प्र.क्र.१०१/का-६, दिनांक २६ जुलै, २००४ व टिएसपी-२००५/प्र.क्र.५९/का-६, दिनांक १० नोव्हेंबर, २००५ मधील अटींचे कटाक्षाने पालन करण्याची दक्षता घेण्यात यावी तसेच प्रस्तुत शासन निर्णयाद्वारे वितरित करण्यात येत असलेल्या तरतुदी मासिक खर्च विवरणपत्राप्रमाणे खर्च करण्याची दक्षता सर्व नियंत्रक अधिका-यांनी घ्यावी. सदर तरतुदी संगणक वितरण प्रणालीवर उपलब्ध करून देण्यात येत आहेत. त्यापैकी अर्थोपाय अग्रीमाच्या तरतुदी संगणक वितरण प्रणालीवर उपलब्ध झाल्या म्हणून रोखीने खर्च न करण्याची दक्षता घ्यावी.

४. अंमलबजावणी अधिकारी व विभाग प्रमुख यांनी मुख्य आदिवासी उपयोजना क्षेत्रात अतिरिक्त आदिवासी उपयोजना क्षेत्रात तसेच आदिवासी उपयोजने क्षेत्राबाहेरील योजनांवर केलेला खर्च स्वतंत्रपणे नोंदविला जाईल याची दक्षता घ्यावी. जेणेकरून शासनाला मुख्य आदिवासी क्षेत्रातील व उपयोजने क्षेत्राबाहेरील योजनांवर होणा-या खर्चावर लक्ष ठेवता येईल व तो केंद्रशासनाला कळविता येईल.

५. सर्व अंमलबजावणी अधिका-यांनी योजनावार मासिक खर्चाची विवरणे मुख्य आदिवासी क्षेत्र व अतिरिक्त आदिवासी उपयोजना क्षेत्रासाठी व आदिवासी क्षेत्राबाहेरील क्षेत्रासाठी स्वतंत्रपणे विहित प्रपत्रात ज्या

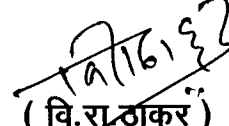
महिन्यात खर्च झाला असेल त्याच्या पुढील महिन्याच्या १० तारखेपर्यंत या विभागास, नियोजन विभाग, वित्त विभाग व इतर संबंधित प्रशासकीय विभाग व आदिवासी विकास, आयुक्त यांचे कार्यालय, नाशिक यांना पाठवाव्यात.

६. अंमलबजावणी अधिकारी/विभाग प्रमुख यांनी नियम प्रचलित कार्यपद्धती व सध्याच्या शासकीय धोरणास अनुसरून चालू योजनांवर खर्च करावा. हे आदेश फक्त अंमलबजावणी /नियंत्रक अधिका-यांच्या अधिनस्त ठेवलेल्या तरतुदीस प्रशासकीय दृष्ट्या मान्य केलेल्या चालू योजनांवर खर्च करण्यासाठी आहे. याची अंमलबजावणी अधिका-यांनी नोंद घ्यावी.

७. आदिवासी उपयोजनेअंतर्गत जनजाती क्षेत्र उपयोजना (टिएसपी) व जनजाती क्षेत्र उपयोजना (ओटिएसपी) यांचा खर्च स्वतंत्रपणे नोंदविण्यासाठी सन २००८-०९ च्या अर्थसंकल्पापासून लेखाशिर्षामध्ये काही बदल करण्यात आले आहेत हे बदल लक्षात घेवून खर्च नोंदविताना सुधारित लेखाशिर्ष नोंदविण्याची दक्षता सर्व संबंधितांनी घ्यावी.

८. सदर शासन निर्णय महाराष्ट्र शासनाच्या वेबसाईटवर उपलब्ध करून देण्यात आला असून, त्याचा संगणक सांकेतांक २००८०४२४१८३९१९००१ असा आहे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नांवाने,


(वि.रु.ठाकूर)
कार्यासन अधिकारी

प्रति,

आयुक्त, कृषि, महाराष्ट्र राज्य, पुणे (३ प्रती)

आयुक्त, आदिवासी विकास, महाराष्ट्र राज्य, नाशिक.

अपर आयुक्त, आदिवासी विकास, नाशिक/नागपूर/ठाणे/अमरावती.

सर्व विभागीय आयुक्त, मुंबई/नागपूर/औरंगाबाद/नाशिक/अमरावती/पुणे.

जिल्हाधिकारी व सदस्य सचिव, जिल्हा नियोजन समिती (सर्व)

मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिल्हा परिषद (सर्व)

सर्व प्रकल्प अधिकारी, एकात्मिक आदिवासी विकास प्रकल्प,

आयुक्त, आदिवासी संशोधन व प्रशिक्षण संस्था, पुणे.

महालेखापाल (लेखापरिक्षा)/(लेखा व अनुज्ञेयता), महाराष्ट्र १/२, मुंबई/नागपूर.

वित्त विभाग/नियोजन विभाग, मंत्रालय, मुंबई-३२.

कृषि व पदुम विभाग, (का-२१ व २५) मंत्रालय, मुंबई-३२ (प्रत्येकी २ प्रती)

जिल्हा अधिक्षक कृषि अधिकारी, (सर्व) (सातारा, सांगली, कोल्हापूर, सिंधुदूर्ग वगळून)

जिल्हा कोषागार अधिकारी (सर्व) -"

कार्यासन अधिकारी का.क्र. २, ६, ९ आदिवासी विकास विभाग, मंत्रालय, मुंबई.

ग्रंथपाल, महाराष्ट्र विधानमंडळ सचिवालय, विधानभवन ५ वा माळा, मुंबई.

निवड नस्ती (का-७)

जनजाती क्षेत्र उपयोजनेखालील २००८-०९ चे जिल्हानिहाय अंदाजपत्रकीय तरतूदीचे वाटप

(रुपये हजारात)

| शिर्ष : पीक संवर्धन योजनेचे नांव : बागायती रोपमळ्याची बळकटीकरण. स्थापना/ | | मागणी क्र.टी-५ मुख्य लेखाशिर्ष : २४०१-पीक संवर्धन-पंचवार्षिक योजनांतर्गत योजना-७९६-जनजाती क्षेत्र उपयोजना (०१) जनजाती क्षेत्र उपयोजनांतर्गत योजना - राज्य योजनांतर्गत योजना (०१) (०१) बागायती रोपमळ्याची स्थापना (२४०१ १४१९) २१, सामग्री व पुरवठा | | |
|---|---------------------------------|--|--|------|
| जिल्ह्याचे नांव | २००८-०९ साठी केलेली तरतूद | २००८-०९ ची अर्थसंकल्पीय तरतूद सुपूर्द करण्यात आलेला नियंत्रक अधिकारी | प्रशासकीय विभाग | शेरा |
| १ | २ | ३ | ४ | ५ |
| ठाणे | १८०० | संबंधित जिल्ह्याचे अधिक्षक कृषि अधिकारी. | कृषि व पदुम विभाग, मंत्रालय, मुंबई. | |
| नाशिक | २०० | | | |
| धुळे | १०० | | | |
| अमरावती | ४०० | | | |
| नागपूर | ४०० | | | |
| चंद्रपूर | ३०० | | | |
| गडचिरोली | ४०० | | | |
| एकूण - | ३६०० | | | |

जनजाती क्षेत्र उपयोजनेखालील २००७-०८ चे जिल्हानिहाय अंदाजपत्रकीय तरतूदीचे वाटप
(रुपये हजारात)

| शिर्ष : पीक संवर्धन योजनेचे नांव : दारिद्र्य रेषेवर आणण्यासाठी आदिवासींना अर्थसहाय्य. | | मागणी क्र.टी-५ मुख्य लेखाशिर्ष : २४०१-पीक संवर्धन-पंचवार्षिक योजनांतर्गत योजना-७९६-जनजाती क्षेत्र उपयोजना (०१) जनजाती क्षेत्र उपयोजनांतर्गत योजना-राज्य योजनांतर्गत योजना (०१) (०२) कृषि विकास विषयक विविध कार्यक्रम (२४०१ २९८४) ३१, सहाय्यक अनुदाने (वेतनेतर) | | |
|--|---------------------------|---|-------------------------------------|------|
| जिल्ह्याचे नांव | २००७-०८ साठी केलेली तरतूद | २००७-०८ ची अर्थसंकल्पीय तरतूद सुपूर्द करण्यात आलेला नियंत्रक अधिकारी | प्रशासकीय विभाग | शेरा |
| १ | २ | ३ | ४ | ५ |
| ठाणे | २६८९३ | संबंधित जिल्ह्याचे अधीक्षक कृषि अधिकारी. | कृषि व पदुम विभाग, मंत्रालय, मुंबई. | |
| रायगड | ५०० | | | |
| नाशिक | २२००० | | | |
| धुळे | ८५०० | | | |
| नंदुरबार | १६००० | | | |
| जळगांव | १०५० | | | |
| अहमदनगर | ५५०० | | | |
| पुणे | १००० | | | |
| अमरावती | ४५०० | | | |
| यवतमाळ | ३७०५ | | | |
| नागपूर | ७५ | | | |
| गोंदिया | २००० | | | |
| चंद्रपूर | २७०० | | | |
| गडचिरोली | ११५०० | | | |
| नांदेड | २४४१ | | | |
| एकूण - | १०८३६४ | | | |

टीप : आयुक्त, कृषि यांनी अविभाजित तरतूदीचे जिल्हानिहाय वाटप करुन तसे या विभागास कळवावे.

जनजाती क्षेत्र उपयोगनेखालील २००७-०८ चे जिल्हानिहाय अंदाजपत्रकीय तरतूदीचे वाटप
(रुपये हजारात)

| शिर्ष : पीक संवर्धन योजनेचे नांव : फलोत्पादन व रोप संरक्षण. | | मागणी क्र.टी-५ मुख्य लेखाशिर्ष : २४०१-पीक संवर्धन-पंचवार्षिक योजनांतर्गत योजना-७९६-जनजाती क्षेत्राबाहेरील उपयोगना (०२) जनजाती क्षेत्राबाहेरील उपयोगनांतर्गत योजना-राज्य योजनांतर्गत योजना (०२) (०१) बागायत व भाजीपाला पिके योजना (२४०१ २२१९) ३१, सहाय्यक अनुदाने (वेतनेतर) | | |
|--|---------------------------------|---|---|------|
| जिल्ह्याचे नांव | २००७-०८ साठी केलेली तरतूद | २००७-०८ ची अर्थसंकल्पीय तरतूद सुपूर्द करण्यात आलेला नियंत्रक अधिकारी | प्रशासकीय विभाग | शेरा |
| १ | २ | ३ | ४ | ५ |
| नाशिक | ३९० | संबंधित जिल्ह्याचे अधिक्षक कृषि अधिकारी. | कृषि व पदुम विभाग, मंत्रालय, मुंबई | |
| एकूण - | ३९० | | | |

जनजाती क्षेत्र उपयोजनेखालील २००७-०८ चे जिल्हानिहाय अंदाजपत्रकीय तरतूदीचे वाटप

| शिर्ष : पीक संवर्धन योजनेचे नांव : दारिद्र्य रेषेवर आणण्यासाठी आदिवासींना अर्थसहाय्य. (रुपये हजारात) | | मागणी क्र.टी-५ मुख्य लेखाशिर्ष : २४०१-पीक संवर्धन-पंचवार्षिक योजनांतर्गत योजना-७९६-जनजाती क्षेत्राबाहेरील उपयोजना (०२) जनजाती क्षेत्राबाहेरील उपयोजनांतर्गत योजना-राज्य योजनांतर्गत योजना (०२) (०२) शेतीकरिता आदाणांचे वितरण/क्षेत्रीय सुधारित अवजारे व उपकरणे (२४०१ १९६५) ३३, अर्थसहाय्य | | |
|--|---------------------------|---|-------------------------------------|------|
| जिल्ह्याचे नांव | २००७-०८ साठी केलेली तरतूद | २००७-०८ ची अर्थसंकल्पीय तरतूद सुपूर्द करण्यात आलेला नियंत्रक अधिकारी | प्रशासकीय विभाग | शेरा |
| १ | २ | ३ | ४ | ५ |
| ठाणे | ५००० | संबंधित जिल्ह्याचे अधीक्षक कृषि अधिकारी. | कृषि व पदुम विभाग, मंत्रालय, मुंबई. | |
| रायगड | ६०० | | | |
| नाशिक | ७५०० | | | |
| धुळे | १५०० | | | |
| नंदुरबार | ५०० | | | |
| जळगांव | ५२०० | | | |
| अहमदनगर | १७०० | | | |
| पुणे | १५०० | | | |
| सोलापूर | ४०० | | | |
| बुलढाणा | १००० | | | |
| अकोला | ८७८ | | | |
| वाशिम | २७७ | | | |
| अमरावती | २५०० | | | |
| यवतमाळ | ४७०६ | | | |
| नागपूर | ५००० | | | |
| वर्धा | ३००० | | | |
| भंडारा | २००० | | | |
| गोंदिया | ९९७ | | | |
| चंद्रपूर | ४९५८ | | | |
| गडचिरोली | २००० | | | |
| औरंगाबाद | १६०० | | | |
| जालना | ६०० | | | |
| बीड | ६०० | | | |
| परभणी | १५०० | | | |
| हिंगोली | २०५० | | | |
| नांदेड | ५६९४ | | | |
| उस्मानाबाद | ५०० | | | |
| लातूर | ५४२ | | | |
| एकूण - | ६४३०२ | | | |